विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

अपनी खुशहाली को हम ही बढ़ा सकते हैं!

बुरी-बुरी ख़बरों के अभ्यस्त हो चुके हम भारतीयों को एक छोटी-सी अच्छी ख़बर सुनने को मिली है। 20 मार्च को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय खुशहाली दिवस हमारे लिए यह ख़बर लेकर आया है। इस दिन (20 मार्च, 2025 को) संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ल्ड हैप्पीनेस (विश्व खुशहाली) रिपोर्ट, 2025 ज़ारी की और इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 147 देशों की सूची में भारत 118वें स्थान पर है। वैसे तो 118वें स्थान पर होना कोई ऐसी बात नहीं है जिस पर खुश हुआ जाए, लेकिन जब हर तरफ अंधेरा हो तो जुगनू की चमक भी आपको उल्लास से भर देती है। हमारे लिए खुशी की बात यह है कि पिछले बरस इसी रिपोर्ट में हम 126वें स्थान पर थे, इसलिए माना जाना चाहिए कि हमारी खुशहाली में थोड़ा-सा इज़ाफा हुआ है, और यही है हमारे खुश होने की वजह। वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित यह रिपोर्ट एक एनालिटिक्सफ़र्मगैलप और संयुक्त राष्ट्र संघ के सस्टेनेबल डेवलपमेंटसॉल्यूशन नेटवर्क की साझेदारी में तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में विभिन्न देशों की रैंकिंग उन जवाबों पर आधारित है जो लोगों ने स्वयं द्वारा अपने जीवन का आकलन करने का अनुरोध पाकर दिये थे। यहीं यह भी याद कर लेना प्रासंगिक होगा कि सन 2015 की रिपोर्ट में भारत 158 देशों की सूची में 117वें स्थान पर था। इसके बाद तो जैसे हमारी खुशहाली को ग्रहण ही लग गया। 2016 में हम एक पायदान फिसल कर 118वें स्थान पर पहुंचे, 2017में 122वें स्थान पर, इससे अगले बरस अर्थात 2018 में 133वें स्थान पर, और 2019 में 140वें स्थान पर जा गिरे। हम यहीं नहीं रुके। 2020 में थोड़ा और फिसले और 144वें स्थान पर जा गिरे। यह हमारी खुशहाली का सबसे दरिद्र वर्ष था। इसके बाद स्थितियां थोड़ी बेहतर हुईं। 2021 में हम 139वें स्थान पर, 2022 में 136वें स्थान पर और 2023 में 126वें स्थान पर लौटे। इससे अगले बरस अर्थात 2024 में भी हम 126वीं पायदान पर ही चिपके रहे। इसके बाद से यह पहली बार है जब हमें आधिकारिक रूप से खुश होने का अवसर मिला है।

खुशी के मामले में प्रायः यह होता है कि हम दूसरों से ख़ुद की तुलना करने लगते हैं और अगर पाते हैं कि कोई हमसे अधिक खुश है, तो हम दुखी हो जाते हैं और अगर पाते हैं कि कोई हमसे अधिक दुखी है तो भले ही इस बात से प्रकटतः खुश न भी हों, राहत की सांस तो ले ही लेते हैं। तो पहले थोड़ा दुखी होने वाली बातें कर ली जाएं! इस रिपोर्ट में कदाचित जो बात हमको सबसे अधिक आहत करने वाली है वह यह है कि खुशहाली के मामले में पाकिस्तान हमसे काफी बेहतर है। वह 109वें स्थान पर है। यहां तक कि युगांडा भी हमसे बेहतर स्थिति में है। उसकी रैंक 116 है और युद्धग्रस्त यूक्रेन भी 111वें स्थान पर है। पड़ोसी नेपाल तो बहुत ही अच्छी स्थिति में है। वह 92वें स्थान पर है। दुनिया के सबसे अधिक खुशहाल दस देश क्रमशः ये हैं: फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन, नीदरलैंड, कोस्टारिका, नॉर्वे, इस्राइल, लक्ज़मबर्ग और मेक्सिको। ग़ौर तलब है फिनलैंड लगातार आठवें साल शीर्ष पर है। अन्य देशों में ऑस्ट्रेलिया 12वें स्थान पर, स्विट्ज़रलैंड 13वें स्थान पर, कनाडा 18वें और युनाइटेड किंगडम 23वें स्थान पर हैं। कोस्टारिका और मेक्सिको पहली बार शीर्ष दस खुश देशों की सूची में शामिल हुए हैं। खुशहाली के लिहाज़ से सबसे बुरी हालत अफ़गानिस्तान की है जो एक बार फिर से सबसे निचली पायदान पर है। इससे थोड़ा बेहतर हैं क्रमशः सिएरा लियोन, लेबनान, मलावी और ज़िम्बाब्वे। अब ज़रा सिक्के का दूसरा पहलू देख लें। इस जानकारी से शायद हम यह कह कर संतोष कर सकें कि हालत केवल हमारी ही खराब नहीं है। जानकारी यह है कि इस रिपोर्ट में अमरीका अब तक की सबसे बुरी अवस्था में है। वह फिसल कर 24वें स्थान पर जा पहुंचा है जबकि पिछले बरस वह 11वें स्थान पर था।

खुशी केवल आर्थिक संपन्नता से नहीं मिलती है, खुशी इस बात से भी मिलती है कि हमारा समाज कितना भरोसेमंद और सहायता तत्पर है। इस संदेश को ग्रहण कर हम यह तो कर ही सकते हैं कि अपने परिवार के साथ बैठकर खाना खाएं, किसी अपने या अनजाने की मदद करने को तत्पर रहें और किसी अजनबी पर भी भरोसा करें। अगर हम ऐसा करने लगेंगे, अधिक करेंगे तो निश्चय ही हमारी खुशहाली में वृद्धि होगी।

इस रिपोर्ट में कुछ ऐसी बातें कही गई हैं जो खुशी को परिभाषित करती हैं। कहा गया है, और सही ही कहा गया है कि खुशहाली सिर्फ़ आर्थिक विकास से तय नहीं होती है बल्कि इसमें लोगों का पारस्परिक भरोसा और सामाजिक जुड़ाव भी अहम भूमिका निबाहते हैं। गैलप के सीईओ जॉनक्लिंटन का कहना है कि "खुशी सिर्फ़ धन या विकास से जुड़ी बात नहीं है, यह विश्वास, संबंध और यह जानने के बारे में भी है कि लोग आपका साथ दे रहे हैं या नहीं।" वे आगे कहते हैं, "अगर हम मज़बूत समुदाय औरअर्थव्यवस्था चाहते हैं तो हमें उस चीज़ में निवेश करना चाहिए जो वास्तव में मायने रखती है अर्थात एक-दूसरे में।" उनके कथन की पुष्टि इस बात से भी होती है कि इसी रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सन 2023 में दुनिया भर में 23 प्रतिशत युवा वयस्कों ने स्वीकार किया था कि उनके पास ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिस पर वे सामाजिक सहायता के लिए भरोसा कर सकें। और चिंताजनक बात यह है कि यह प्रतिशत लगातार बढ़ता जा रहा है। इन कथनों को इस बात के आलोक में भी देखा जाना चाहिए कि क्यों अपनी बुरी आर्थिक स्थिति के बावज़ूद हम भारतीय (थोड़े-बहुत) खुशहाल हैं और क्यों हमसे बेहतर आर्थिक स्थिति के बावज़ूद अमरीका के लोगों की खुशहाली घटती जा रही है। यही रिपोर्ट बताती है कि पिछले दो दशकों में अमरीका में अकेले भोजन करने वालों की संख्या में 53 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट के अनुसार दूसरों के साथ भोजन साझा करना और सामाजिक समर्थन के लिए किसी पर निर्भर होना तथा परिवार के सदस्यों की संख्या आपकी खुशी को आकार देते हैं। अब यही बात देखें कि मेक्सिको और यूरोप में चार से पांच लोगों का परिवार खुशी के उच्चतम स्तर पर है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि दूसरों की दयालुता पर विश्वास करना भी आपकी खुशी को बढ़ाता है। इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कोई यह मानता है कि अन्य लोग उसका खोया हुआ पर्स लौटा देंगे तो वह औरों की तुलना में अधिक खुश होता है। रिपोर्ट के अनुसार नॉर्डिक देशों में ऐसा मानने वाले सर्वाधिक हैं और इसीलिए वे देश सबसे ज़्यादा खुशहाल हैं।

इस रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश यह है कि खुशी केवल आर्थिक संपन्नता से नहीं मिलती है, खुशी इस बात से भी मिलती है कि हमारा समाज कितना भरोसेमंद और सहायता तत्पर है। इस संदेश को ग्रहण कर हम यह तो कर ही सकते हैं कि अपने परिवार के साथ बैठकर खाना खाएं, किसी अपने या अनजाने की मदद करने को तत्पर रहें और किसी अजनबी पर भी भरोसा करें। अगर हम ऐसा करने लगेंगे, अधिक करेंगे तो निश्चय ही हमारी खुशहाली में वृद्धि होगी। भारत के संदर्भ में यह बात दृष्टव्य है कि इस अध्ययन के दौरान लोगों ने सकल राष्ट्रीय उत्पाद, सामाजिक सहयोग, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, वरण की स्वतंत्रता, उदारता, भ्रष्टाचार के बारे में सोच और राज्य के आतंक को लेकर सकारात्मक मत व्यक्त किए हैं, लेकिन इसी के साथ यह भी जान लिया जाए कि उदारता और भ्रष्टाचार के बारे में हमारा आकलन नकारात्मकता की तरफ बढ़ा है।

इस तरह के हर आकलन को एकाधिक दृष्टियों से देखा-परखा जाता है और यह स्वाभाविक भी है। मैं तो यही कहना चाहूंगा कि बजाय आकलन की प्रामाणिकता और विश्वसनीयता पर उंगली उठाने के हमें इस दिशा में अधिक प्रयास करने होंगे कि अगले आकलनों में हम और अधिक खुशहाल नज़र आएं। देश में आर्थिक हालात बेहतर हों, लोगों को समुचित रोज़गार मिले, उनका जीवन सुरक्षित और सुगम हो, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं बेहतर हों, शुद्ध पेयजल सबको सुलभ हो, भूख का नाम-ओ-निशान मिट जाए और देश के नागरिकों में उनकी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, लिंग आयु, रंग, प्रदेश आदि के आधार पर कोई वैमनस्य न हो – अगर ये और उस तरह की बातें हमारे चिंतन और कर्म में शामिल हों तो कोई वजह नहीं है कि हम अपने देश को बेहतर पाएं। यह सब हम को ही करना होगा, इसके लिए आसमान से फरिश्ते उतर कर नहीं आएंगे!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

साइबर ठगों का बढ़ता हौसला, तीन साल में ही ठगी में बीस गुणा बढ़ोतरी

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मोबाईल पर नंबर मिलाते ही आजकल साईबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इस सबके बावजूद भारत सरकार द्वारा ठगी के जारी आंकड़ें ना केवल चेताने वाले हैं अपितु लगता है जैसे ज्यों ज्यों दवा की मर्ज बढ़ता ही गया वाले हालात बनते जा रहे हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाईस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राषि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों को देखे तो पिछले तीन साल में ही ठगी के नए अवतार से ठगी की राषि 20 गुणा बढ़ गई है। इस साल की शुरुआत के दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलें दर्ज हो चुके हैं और 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। यह तो साल की शुरुआत के हाल है। पिछले तीन साल के आंकड़ों पर नजर ड़ाले तो हालात की गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है।

साल 2022 में साइबर ठगी, डिजीटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लेक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। मजे की बात यह है कि लाख प्रयासों के बावजूद 2024 की बढ़ोतरी तो और भी चिंतनीय रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ही 2024 में एक लाख 23 हजार 672 मामलें दर्ज हुए और 1935 करोड़ 51 लाख रु. की ठगी हो गई। यह तो वे मामलें हैं जो पुलिस में दर्ज हुए हैं जबकि हजारों मामलें ऐसे भी होंगे जिनमें मामलें दर्ज कराए ही नहीं गए होंगे।

खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

ऐसा नहीं है कि साईबर या इससे जुड़ी ठगी हमारे यहां ही होती है अपितु देखा जाए तो यह आयातित ठगी का तरीका है। साईबर या यों कहें कि इस तरह की ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान पर है तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर बना हुआ है। इनके बार चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों के सारी दुनिया में हौसले बुलंद है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।

जहां तक हमारे देश की बात करें तो साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं तो दूसरी और ड़रा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा ड़राने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी देदेते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं।

पुलिस अधिकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राशि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक ड़र या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर ड़रा देते हैं और मजे की बात यह कि एक दो दिन नहीं अपितु कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है। पर देश में 74 हॉट स्पॉट विकसित हो गए हैं। इनमें हरियाणा का नूंह, राजस्थान का डीग, झारखण्ड का देवघर, राजस्थान का अलवर और बिहार का नालंदा पहले पांच हॉट स्पॉट हो गए हैं। मीडिया द्वारा भी समय समय पर स्ट्रिंग कर इस तरह के केन्द्रों को एक्सपोज किया है पर ठगी कम होने को ही नहीं है। दरअसल आमनागरिकों को भी सजग होना ही होगा। अनजान नंबरों पर बात ही ना करें। ज्योंही कोई डराये धमकायें तो बहकावे में आने के स्थान पर पड़ताल करें। इस तरह के हालात सामने आये तो परेशान होने के स्थान पर परेशानी को साझा करें, पुलिस का सहयोग लेने में भी संकोच ना करें। देखा जाए तो सजगता ही इस समस्या का समाधान हो सकती है।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

अवैध बजरी के दो ट्रक व कार और गीली लकड़ी भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

बजरी परिवहन के मामले में दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ थाना पुलिस प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस जतिन जैन ने बजरी माफिया पर कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी भरे ट्रक को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार भीलवाड़ा मार्ग के होडा गांव के पास पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान बनास नदी से अवैध बजरी दोहन कर ट्रक से परिवहन कर बिजौलियां की ओर ले जाया जा रहा था। ट्रक के आगे पीछे एक लग्जरी कार पुलिस की रैकी कर रही थी। प्रशिक्षु आईपीएस जतिन जैन ने अवैध बजरी भरे ट्रक और लग्जरी कार को जब्त कर मुकदमा दर्ज किया और दोनों वाहनों के चालक को गिरफ्तार किया है। वहीं ओवरलोड अवैध बजरी के ट्रक पर खनिज व परिवहन विभाग द्वारा जुर्माना वसूली की कार्रवाई भी की जा रही है।

मांडलगढ़ में पुलिस ने गीली लकड़ी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया।

प्रशिक्षण आईपीएस जतिन जैन ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान होडा गांव टोल प्लाजा के पास विभिन्न किस्म की अवैध गीली लकड़ियों से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया और अग्रिम कार्रवाई के लिए मांडलगढ़ वन विभाग को सुपुर्द किया है।

गौरतलब कि मांडलगढ़ क्षेत्र में प्रतिदिन विभिन्न मार्गों से अवैध गीली लकड़ियों से भरे सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली बीगोद और खटवाड़ा में संचालित आरा मशीनों पर कटिंग के लिए ले जाये जाते हैं, लेकिन वन विभाग के जिम्मेदार अफसरों की लापरवाही के चलते लकड़ी माफिया पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

■ काछोला पुलिस ने जब्त बजरी के ट्रक के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया, जो चर्चा का विषय बना हुआ है

दूसरी ओर काछोला थाना पुलिस ने दिनदहाड़े बनास नदी से अवैध बजरी भरकर परिवहन करने के मामले में एक ट्रक को जब्त किया है। ट्रक में तिरपाल से ढककर दिन में बजरी माफिया बेख़ौफ़ होकर अवैध बजरी परिवहन कर रहे हैं, पुलिस ने खनिज व परिवहन विभाग को अक्रिम कार्रवाई के लिए सूचित किया है। वहीं पुलिस द्वारा बजरी माफिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं होने से आमजन में चर्चा का विषय बना हुआ है।

द्विवार्षिक अधिवेशन एवं होली स्नेह मिलन हुआ

ब्यावर, (निसं)। सेंट्रल गवर्नमेंट पेंशनर्स एसोसिएशन इकाई के तत्वाधान में द्विवार्षिक खुला अधिवेशन कार्यक्रम जेपी होटल उदयपुर रोड में आयोजित किया गया।

एन. एम. माली संगठन के अध्यक्ष के अनुसार प्रत्येक 2 साल में संगठन के चुनाव आयोजित किए जाते हैं तथा इसी कड़ी में 75 वर्ष से अधिक सुपर सीनियर सिटीजन (पेंशनर्स)का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। रंगारंग कार्यक्रम होली स्नेह मिलन के रूप में आयोजित किया गया जिसमें संस्था के ही सदस्य दिनेश आहूजा, जेपी खोरवाल , राजकुमार पंवार और संस्था के अध्यक्ष एन .एम. माली ने मधुर गीत और भजन प्रस्तुत किये। सुरेश चंद्र शर्मा ने कार्यक्रम के संबंध में स्वरचित शानदार कविता प्रस्तुत की। इस अवसर पर फूलों की होली भी खेली गई।इस भव्य आयोजन में जयपुर मुख्यालय से वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ साथ अजमेर, किशनगढ़ , उदयपुर,भरतपुर आदि स्थानों से भी वहां के अध्यक्ष महासचिव एवं संरक्षक ने भी शिरकत किया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के विभिन्न सदस्यों ने सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम के तहत आने वाली समस्याओं में ज्यादातर मामलों में जेनेरिक मेडिकल देने और ब्यावर में वैलनेस सेंटर नहीं होने के संबंध में मुद्दे उठाए। पेंशनर्स के संबंधित मुद्दे यथा 65 साल 70 साल और 75 साल की उम्र में क्रमशः, 5 10 और 15 अतिरिक्त पेंशन देने तथा 50 फीसदी महंगाई भत्ते को पेंशन में मर्ज करने के साथ-साथ आठवें वेतन आयोग का विधिवत गठन करने तथा कम्यूटेशन की राशि 15 साल लगातार काटने के बजाय 10 साल तक ही काटने के संबंध में चर्चा की गई तथा इन मुद्दों को सरकार के साथ पुरजोर से उठाने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करवाने के निर्णय लिए गए। सीजीपीए अजमेर इकाई के उपाध्यक्ष बाबूलाल बरोलिया ने सीजीएचएस और वैलनेस सेंटर के संबंध में आ रही परेशानियों का जिक्र किया और वर्तमान नियमावली से सदस्यों का अवगत कराया और निवारण भी सुझाए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीताराम मीणा संरक्षक सीजीपीए इकाई अजमेर ने अपने उद्बोधन में सीजीपीए ब्यावर इकाई के उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की ओर तथा एक जुट होकर रहने एवं प्रसन्न रहने के संबंध में बताया। विशिष्ट अतिथि डी के छंगानी अध्यक्ष सीजीपीए मुख्यालय जयपुर ने अपने उद्बोधन में सरकार की वर्तमान नीतियों की कडी आलोचना की तथा एकजुटता बनाए रखने की अपील की। अगले दो वर्ष के लिए संगठन के नए पदाधिकारी के रूप में सर्वसम्मति से एन. एम माली को पुनः अध्यक्ष चुना गया।

खेत में संदिग्ध गुब्बारा मिलने से हड़कंप

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के संगरिया थाना क्षेत्र में खेत में एक संदिग्ध गुब्बारा मिलने से हड़कंप मच गया है। यह गुब्बारा पाकिस्तान से संबंधित होने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह गुब्बारा नाथवाना रोही चक 3 एमएम के स्थित एक खेत में मिला है, जिसे स्थानीय किसान सुशील जाखड़ ने देखा और पुलिस को सूचित किया।

सूचना मिलने पर संगरिया पुलिस थाना के एएसआई राजाराम स्वामी मय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर फोटो और वीडियोग्राफी की और संदिग्ध गुब्बारे को जब्त कर लिया। गुब्बारे पर उर्दू भाषा में 'जॉन जॉन पाकिस्तान' लिखा हुआ था, जिससे यह शक और गहरा हो गया कि यह पाकिस्तान से आया हुआ हो सकता है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

शहीद दिवस पर नशे के खिलाफ मैराथन दौड़ संपन्न

झुंझुनूं, (निसं)। भारत की जनवादी नौजवान सभा की ओर से शहीद ए आजम भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु के शहादत दिवस पर नशे के प्रति जागरूकता को लेकर जेपी जानूं स्कूल से शहीद स्मारक तक मैराथन दौड़ आयोजित करवाई। जिसमें सैंकड़ों नौजवानों ने भाग लिया। सबसे पहले स्काउट गाइड के सीओ महेश कलावत ने नशे के प्रति जागरूकता को लेकर शपथ दिलवाई। जेपी जानूं स्कूल से नौजवानों को बलवीर भैड़ा, डीवाईएफआई के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ जानूं, मोरारका महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेंद्र न्यौला, एसएफआई के संस्थापक सदस्य कॉमरेड फूलचंद बर्बर, एसएफआई के जिला अध्यक्ष आशीष पचार ने नौजवानों को हरी झंडी दिखाकर रवानगी दी। शहीद स्मारक पार्क में श्रद्धांजलि सभा रखी। जिसमें उद्घाटन भाषण में बलवीर भैड़ा ने कहा कि युवाओं को नशे के खिलाफ ऐसे कार्यक्रम करने चाहिए। जिससे युवाओं में जागरूकता बनी रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 24 मार्च, 2025

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 4:27 तक, परिघयोग सायं 4:44 तक, वणिज करण सायं 5:22 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 10:25 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा सायं 5:22 से आरम्भ होगी। आज दशामाता व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 8:01 तक, शुभ 9:32 से 11:03 तक, चर 2:04 से 3:35 तक, लाभ-अमृत 3:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:30, सूर्यास्त 6:36

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

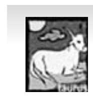

वृष

दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी अभी बनी रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

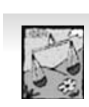

तुला

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

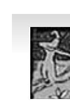

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद होने का भय है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। वाणी पर संयम रखें।

मकर

वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों को दिन के मध्यान्ह पूर्व में करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मीन

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।